3 : P.M

Need to link Una Railway Line with Hoshiarpur Railway Line

श्री धर्म पाल सभ्रवाल (पंजाब) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं विशेष उल्लेख करते समय अति प्रसन्न हूं, क्योंको मैं आज भारतीय नारी को सभापति की कुर्सी पर आसान देख रहा हूं।

मैं आपके माधम से सरका का ध्यान एक बहुत ही आवश्यक जनहित के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं।

जैसा कि विदित है को हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के रुप में जाना जाता है। इस राज्य में बहुत सारे पवित्र धार्मिक स्थान, जैसे कि बाबारुद्र का डेरा, श्री बालक नाथ मदिंर, पीर निगाहा, केसगढ साहिब तथा माता नैंना देवी मंदिर आदि विद्यमान हैं। जिला होशियारपुर(पंजाब) की सीमा से लगता हुआ जिला ऊना तक रेलवे लाइन पहुंच चुकी है। अगर इस रेलवे लाइन को जिला होशियारपुर के साथ लिंक कर दिया जाये, तो सीधा सम्पर्क हिमाचल की जनता का पंजाब से हो जायेगा और हिमाचल प्रदेश के लोगों को दुर्गियाना मंदिर एंव स्वर्ण मंदिर अमृतसर पहुंचने में सुविधा होगी। मैं यहां यह भी बताना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर, कांगड़ा, ऊना, बिलासपुर, कुल्लु आदि सभी जिलों के बहुत सेलोग जो राधा स्वामी विचारधारा से जुड़े हुए हैं, उनका डेरा राधा स्वामी व्यास जो कि अमृतसर जिले में है, उन सभी लोगों को यहां आने के लिए रेल मार्ग से सुविधा मिल जायेगी। इसी तरह पंजाब के लोगों को जिनका हिमाचल प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों में बराबर आना-जाना रहता है, उन्हें काफी सुविधा होगी। इसके साथ ही स्वर्ण मंदिर और आनन्दपुर साहिब में केसगढ़ साहिब के साथ भी पंजाब के लोगों का सीधा सम्पर्क हो जायेगा। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश के बहुत से श्रमिक होशियारपुर,लुधियाना, जालन्धर तथा अमृतसर में काम करते है, उनको भी इस रेल लिंक से बहुत सुविधा होगी।

मेरी सरकार से मांग है कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लोगों की सुविधा तथा धार्मिक भावनाओं को देखते हुए शीध्रातिशीघ्र ऊना रेलवे लाइन को होशियारपुर रेलवे लाइन के साथ लिंक करवाने की व्यवस्था करें।

श्रीमति जमना देवी वारुपाल (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं अपने आप को इससे सम्बद्ध करती हूं।

सुरेश भारद्वाज (हिमाचल प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं अपने आप को इससे सम्बद्ध करता हूं।

Need for Constitutional amendment to change the existing reservation system for the welfare of SCs and STs

डा.प्रभा ठाकुर (राजस्थान) : महोदया, अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण एंव उत्थान के लिए आरक्षण की जो वर्तमान व्यवस्था है,उसमें संतुलन लाने के लिए संविधान में संशोधन करके वर्तमान प्रणाली में कुछ सुधार किए जाने की आवश्यकता है। शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने के साथ ही समाज के कमजोर वर्गों में इस बात की चेतना भी आई है कि कमजोर

वर्गों के विकास के लिए दिए गए आरक्षण का लाभ समाज के अनुसूचित जाति एंव जनजाति के अंतर्गत आने वाले सभी वर्गों को समान रुप से मिलना चाहिए और इस व्यवस्था के लिए आवश्यकतानुसार संविधान का संशोधन करके ऎसी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए कि समाज के इन दलित शोषित तबकों के विभिन्न वर्गों का हर राज्य में उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण प्रतिशत सुनिश्चित हो सके और आबादी के प्रतिशत के अनुरुप आरक्षण के प्रतिशत का लाभ अनुसूचित जाति एंव जनजाति से संबधित सभी जातियों को समान रुप से मिल सके। अनुसूचित जाति एंव जनजाति से जुड़ी विभिन्न जातियों एवं वर्गों से कुछ समय से निरंतर यह मांग उठाई जा रही है। अतः इस मांग को स्वीकार करते हुए अनुसूचित जाति एंव जनजाति की श्रेणी में आने वाले सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखते हुए सरकार को वर्तमान आरक्षण नीति में अपेक्षा के अनुसार संशोधन करते हुए शिघ्र नई नीति को लागू करना चाहिए ताकि अनुसूचित जाति और जनजाति के सभी वर्ग समान रुप से लाभान्वित हो सकें।

श्री नंदी येल्लैया (आंध्र प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्या से स्वंय संबद्ध करता हूं।

श्री धर्म पाल सभ्रवाल (पंजाब) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्या से स्वंय को संबद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI PREMA CARIAPPA): Dr. Gyan Prakash Pilania; not present. Shri Chittabrata Majumdar; not here. Dr. M.A.M. Ramaswamy; not here.

Now, we take up the discussion on the working of the Ministries of Panchayati Raj and Rural Development.

FELICITATIONS TO SHRIMATI PREMA CARIAPPA FOR BEING IN CHAIR

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंश्न मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : महोदय, इससे पहले कि आप पंचायती राज ग्रामीण विकास मंत्रालय मंत्रालयों के कार्यकरण पर चर्चा प्रारम्भ करे, मैं इस सदन की ओर से और सरकार की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं क्योंकि आप अभी उस महान आसंदी पर विराजमान हैं, जिस आंसदी पर सर्वपल्ली राधाकृष्ण जी, डा. जाकिर हुसैन जी, डा. शंकर दयाल शर्मा जी, के. आर नारायणन जी, जस्टिस हिदायतुल्लाह जैसे इस देश के महान दैदीप्यमान नक्षत्र विराजमान रहे हैं और इस सभा का सफल संचालन किया है। इसलिए इस महान आसंदी पर विराजमान होते हुए आप सदन की ओर से बधाई स्वीकार करें। हम यह कामना करते हैं कि इस सदन की जो परम्परा रही है, उस परम्परा के अनुसार इस महान आसंदी से आप जो भी निर्देशन देंगी, उसका हम लोग पालन करते रहेंगे। धन्यवाद।

श्रीमती माय सिंह (मध्य प्रदेश) : महोदया, माननीय सुरेश पचौरी जी ने जो भी कहा है, उससे मैं भी सहमत हूं। मेरी ओर से भी आप बधाई स्वीकार करे।